राज
कॉमिक्स
मूल्य 6.00 संख्या 385
वीडियो विलेन
सुपर कमांडो
ध्रुव
इस कॉमिक्स के साथ ध्रुव का एक आकर्षक स्टीकर
मुफ्त

सुपर कमांडो ध्रुव

वीडियो विलेन

कथा एवं चित्र : अनुपम सिन्हा

संपादक : मनीष चंद्र गुप्त

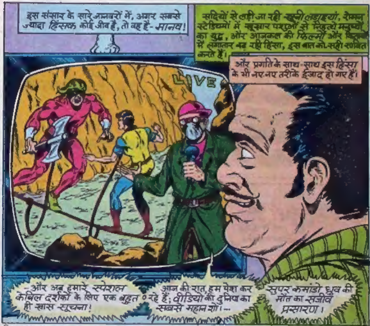

© RAJA POCKET BOOKS

राजनगर की सड़कों पर रात को घूमने वाले सिर्फ गुंडे-बदमाश ही नहीं, बल्कि शरीफ लोग भी होते हैं।
इनमें से कुछ अपना मनोरंजन करके वापस लौट रहे होते हैं...
--और कुछ अपना काम खत्म करके...
जैसे सिंडिकेट बॉक्सिंग चैंपियन-टोनी ब्रगेंजा।
ओफ! जिम्नेज़ियम में मुक्केबाजी की प्रैक्टिस करते-करते समय का ध्यान ही नहीं रहा।
और कल सुबह मुझको अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग कंपीटीशन में भाग लेने के लिए सिंगापुर भी जाना... अरे!
यह बैरियर एकाएक कहां से आ गया?
चीं ईं ईं ईं ईं
टोनी के पैर पूरी ताकत के साथ ब्रेक पर दब गए।
लेकिन फिर भी कार, बैरियर से टकराने से बच न सकी।
बैरियर मजबूत नहीं था।
कार की एक ही टक्कर ने, उसके टुकड़े कर दिए।
कड़ाक
लेकिन साथ ही साथ, कार भी असंतुलित होकर, बगल की दीवार से जा टकराई।
धमाक

लेकिन इस समय तक कार की गति काफी कम हो गई थी। इसलिए टोनी को कोई चोट नहीं पहुंची।
यह किस कमीने की हरकत है? अगर वह सामने दिख जाए, तो साले की गर्दन मरोड़ दूं।
पर टोनी को जानबूझ कर रोका गया था।
पलक झपकते ही, अंधेरे से निकलकर कई नकाब-पोशों ने उसको घेर लिया।
?
और बगैर किसी चेतावनी के एक घूंसा उसके जबड़े से आ टकराया।
ढिशूं
परंतु नकाबपोशों ने गलत शिकार को चुन लिया था।
टोनी ने अपने पंद्रह मुकाबलों में अब तक कोई भी मुकाबला नहीं हारा था।
ताड़
और उसके सात प्रतिद्वंद्वियों को, बॉक्सिंग रिंग से स्ट्रेचर पर ले जाया गया था।

लेकिन हमलावरों की संख्या बहुत ज्यादा थी...
तड़
और उनके वार थे बेरहम।
पर यह सारा दृश्य अनदेखा नहीं आ रहा था।
इस पूरे घटनाक्रम की बकायदा शूटिंग की जा रही थी।
फर्क सिर्फ इतना था...
तड़ाक
...कि यह पिटाई नकली न होकर असली थी।
फर्स्ट क्लास सीन आ रहा है, सोका।
अब इसको दुहरा करना है।
इसकी टांगों के बीच में घुटना मारो।
आई!

खून निकालो!
बगैर खून के तो सारा मजा खराब हो जाएगा।
अगले ही पल, दर्द से कराहते टोनी का चेहरा खून से लथपथ हो गया।
खचाक
एक नकाबपोश ने टोनी का हाथ पकड़ा।
और फिर उसको तेजी से उमेठ दिया।
हड्डी टूटने की आवाज रात के सन्नाटे में पलभर के लिए साफ सुनाई पड़ी।
कड़ाक
ईयाआऽऽ
और फिर-टोनी के गले से उबली चीख में, वह आवाज गुम हो गई।
वेरी गुड! कमाल का एक्शन चल रहा है।
इसकी पिटाई जारी रखो। अभी दो मिनट की कैसेट बची है।
उसमें मैं तुम्हारी हड्डी तोड़ने का सीन उतारूंगा।
ध्रु-- ध्रुव!! तुम यहां कैसे--?
रात के अंधेरे में, हर चीख ध्रुव के कानों से गुजर कर ही आगे जाती है।
अब मुझे बताओ कि यहां पर क्या हो रहा था?

अगले ही पल - ध्रुव की तरफ कई नकाबपोश एक-साथ लपके -
- और एक्शन शुरू हो गया।
दो मिनट की कैसेट अभी बाकी थी।
टेरी के विपरीत, ध्रुव मुक्केबाजी के साथ-साथ, लड़ाई की हर कला में माहिर था।
और उसके एक-एक वार ही नकाबपोशों को धराशायी करने के लिए काफी थे।

ये मरियल एक्स्ट्रा, ध्रुव के सामने ज्यादा समय तक नहीं टिक पाएंगे।
अब मुझे ही इसको रास्ते से हटाने का उपाय सोचना पड़ेगा!
वर्ना इस गलती की कीमत हम सब को जान देकर चुकानी होगी।
लेकिन बचने का समय, उसको नहीं मिल पाया।
एक भयंकर टक्कर से, ध्रुव का बदन हवा में उछल गया।
वैन की घरघराहट सुनकर, ध्रुव को खतरे का आभास तो जरूर हुआ।
जमीन पर गिरने से पहले ही, ध्रुव के दिमाग पर अंधेरा छाना शुरू हो चुका था।

ध्रुव को संभलने में एक मिनट से ज्यादा का समय नहीं लगा।
परंतु इतने समय में सारे नकाबपोश वैन में बैठकर भाग चुके थे।
वे भाग रहे हैं। पर कहां तक भागेंगे?
मैं अभी मोटरसाइकल से इनका पीछा---!
आह!
तभी एक कराह ने ध्रुव का ध्यान खींच लिया।
ओह! मुझे पहले इस घायल को अस्पताल पहुंचाना होगा!
अब मैं नकाबपोशों का पीछा नहीं कर सकता।
ध्रुव, घायल टोनी की तरफ बढ़ा—
और उसका पैर, जमीन पर पड़े, एक चौकोर डिब्बे से आ टकराया।
ठक
अरे! यह तो वीडियो कैसेट है!!
यह कैसेट, जरूर उस कैमरे से ही गिरी होगी!
यह सबूत, किस्मत से मेरे हाथ लग गया है!
अब यह ही मुझे उन कमीनों तक पहुंचाएगा!
गुंडों की टोली, इस बात से बेखबर थी।
गुड इवनिंग, डायरेक्टर!

वेलकम, कैमरामैन रघु! आज कुछ गड़बड़ तो नहीं हुई?
थोड़ी सी, बॉस!
आज हमारा सामना ध्रुव से हो गया।
सुपर कमांडो ध्रुव से? यानि तुम शूटिंग नहीं कर पाए?
रघु कभी कच्चा काम नहीं करता, डायरेक्टर! उस बॉक्सर की तो ऐसी पिटाई की है, जिसे देख कर हमारे स्पेशल दर्शक झूम उठेंगे!
ऐसा क्या?
तो ला! जल्दी से कैसेट ला।
ब्राडकास्टिंग का समय भी होने वाला है।
ये रही वह धमाकेदार कैसेट— अरे!
क्या हुआ?
कै—कैसेट, कैमरे में नहीं है। लगता है कि ध्रुव से लड़ते वक्त, कैसेट बाहर गिर पड़ी है।
मूर्ख!
आंखें खोलकर काम नहीं करते हो क्या?
वह कैसेट जरूर ध्रुव के हाथों लग गई होगी। उस कैसेट के जरिए, वह मुझ तक भी पहुंच सकता है।
खैर, यह तो बाद की बात है। इस वक्त तो सवाल यह है कि आखिर आज रात हम अपने दर्शकों को क्या दिखाएंगे?
म—मैं अभी उस कैसेट को वापस मंगाने का इंतजाम करता हूं।
करो!
वर्ना आज हमारे दर्शक टोनी बर्गोना के बजाय तुम्हारी पिटाई देखेंगे।

इसी वक्त- एस.पी. सिटी के बंगले पर-
क्लिक
अजीब चक्कर है, ध्रुव। यह इस तरह का नया केस है, हर केस में नकाबपोशों ने, एक आदमी को बुरी तरह से मारा पीटा है। पर लूटा नहीं है।
यह तो मुझे आज पता चल रहा है कि इस घटनाक्रम की वीडियो फोटोग्राफी होती है। पर क्यों?
यह तो मुझे भी नहीं पता, एस.पी. साहब। इस सारे नाटक को यहीं पर रोकना होगा वर्ना इस शहर में शरीफों का बाहर निकलना मुश्किल हो जायेगा।
इस कैसेट को हम फिर से देखते हैं। शायद इससे कोई सूत्र—
कौन हो तुम? यहां अंदर तक कैसे आ गए? सिपाहियों ने तुमको रोका क्यों नहीं?
उसका समय नहीं है प्यारे! क्योंकि हम नई कैसेट सिर्फ चार घंटे के लिए ही देते हैं। अब मैं कैसेट वापस लेने आया हूं।

नाम तो मेरे कई हैं, एस० पी०, लेकिन मेरे बॉस मुझे प्यार से सुपरस्टार कहते हैं।
क्योंकि फिल्मी सुपर स्टार की तरह, मैं कोई भी असंभव काम कर सकता हूं।
जैसे कि यहां से कैसेट ले जाना।
और हां। तुम्हारे सिपाही मुझे रोकना तो चाहते थे, लेकिन...
मेरी 'क्लोरोफार्म पिचकारियों' ने उनको इसका मौका नहीं दिया। और अब तुम दोनों का भी वही हाल होगा।
दो तेज धारें, ध्रुव और एस० पी० साहब की तरफ लपकीं।
ध्रुव, फुर्ती के साथ, घातक धार के रास्ते से अलग हट गया।
पर एस० पी० साहब, ध्रुव जैसे फुर्तीले नहीं थे।
यह पूरी तैयारी के साथ आया है, इसको जल्दी ठिकाने लगाना पड़ेगा
वर्ना मेरा भी एस० पी० साहब जैसा हाल होगा। और यह कैसेट ले जाने में कामयाब हो जाएगा।
ध्रुव ने लपककर, दो पेन, टेबल से उठा लिए।
अगले ही पल-ध्रुव का हाथ घूमा
और पेनों ने, गैस की नलियों में फसकर, नलियों को जाम कर दिया।

लेकिन तुम तो जानते ही होगे कि सुपरस्टार कभी नहीं हारता क्योंकि उसके पास बहुत सारे 'स्पेशल इफेक्ट्स' होते हैं।
जैसे 'जाले लगाने वाली मशीन'।
फिल्मों के संग्रहर वाले सेटों पर, जाले इसी मशीन से लगाए जाते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि यह मशीन प्लास्टिक का जाल छोड़ती है।
और इस जाल को कोई भी तोड़ नहीं सकता है
और यह काम करेंगे, मेरे शरीर पर लगे, तेज रोशनी के बल्ब, जिनका इस्तेमाल शूटिंग के लिए किया जाता है।
और इतनी तेज रोशनी, मेरी आखें चुंधिया रही हैं।

कुछ पलों के लिए दिखाई देना बंद हो गया।
और सुपरस्टार ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया।
मैंने कहा था न, ध्रुव, कि सुपरस्टार से कोई टक्कर नहीं ले सकता!
और अब तुम मुझे यह कैसेट ले जाने से नहीं रोक सकते!
तुमने मेरे हाथों को तो जरूर बांध दिया है, सुपरस्टार...
...लेकिन मेरे पैर अभी आजाद हैं।
तो अब मैं तुम्हारे पैरों को भी बांध देता हूं।
ध्रुव पर एक ही ट्रिक बार बार नहीं चलती।
और न ही ध्रुव अपने दुश्मन को दूसरा मौका देता है।

तुम मे अभी भी बहुत जान बाकी है।
यानि अब मुझे 'स्मोक मशीन' का इस्तेमाल करना ही पड़ेगा।
एक हल्की सी घरघराहट के साथ गाढ़ा धुआं तेजी से कमरे में भरना शुरू हो गया।
ध्रुव तेजी से वी॰सी॰आर॰ की तरफ लपका।
लेकिन धुएं ने पलक झपकते पूरे कमरे को अपने अंदर समेट लिया। ध्रुव यह नहीं देख पाया कि सुपरस्टार कहां गया!
पर सुपरस्टार भी यह नहीं जान पाया, कि इस दौरान ध्रुव ने क्या-कर दिया।
कुछ ही पलों बाद- ध्रुव तेजी से धुएं भरे कमरे से बाहर निकला।
सुपरस्टार भी अब आता ही होगा।
मेरे पास कुछ ही पलों का समय है ...
...और इसी में मुझे इस जाल से आजाद होना है।
इस फाइबर के जाले को तोड़ा तो नहीं जा सकता। पर काटा तो जा ही सकता है।
रायफल की इस संगीन से।
ध्रुव ने जाले को संगीन पर रगड़ना शुरू कर दिया।
संगीन की तेज धार ने देखते ही देखते जाले के टुकड़े कर दिए।
और बाहर निकल रहा सुपरस्टार, सीधे ध्रुव के घूंसे से जा टकराया।
धड़ाक

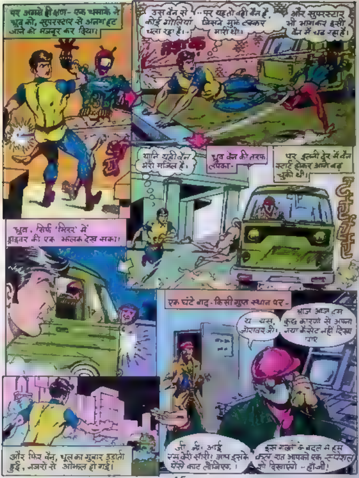
पर अगले ही क्षण- एक धमाके ने ध्रुव को, सुपरस्टार से अलग हट जाने को मजबूर कर दिया।
उस वैन से कोई गोलियां चला रहा है।..
..पर यह तो वही वैन है, जिसने मुझे टक्कर मारी थी।
और सुपरस्टार भी भागकर इसी वैन में चढ़ रहा है।
यानि यही वैन मेरी मंजिल है।
ध्रुव वैन की तरफ लपका-
पर इतनी देर में वैन स्टार्ट होकर आगे बढ़ चुकी थी।
ध्रुव, सिर्फ 'मिरर' में ड्राइवर की एक झलक देख सका।
और फिर वैन, धूल का गुबार उड़ाती हुई, नजरों से ओझल हो गई।
एक घंटे बाद - किसी गुप्त स्थान पर -
य यस, जोरावर जी।
आज आज हम कुछ कारणों से अपना नया कैसेट नहीं दिखा पाए
इस गलती के बदले में हम कल रात आपको एक स्पेशल शो दिखाएंगे - हांजी!

अगर अभी भी वे सरहद, कैसेट लेकर आ जाएं तो
डायरेक्टर!
हम कैसेट लेकर आने में कामयाब हो गए'
शाबास! शाबास! मैं जानता था, कि सुपरस्टार के सामने तो ध्रुव भी नहीं टिक पाएगा! इसबार तो कोई गड़बड़ नहीं हुई?
वह शायद ध्रुव ने मेरा चेहरा देख लिया है।
अब कोई फर्क नहीं पड़ता! क्योंकि कैसेट हमारे हाथ में आ चुकी है। पहले कैसेट चेक करो।
यानि ध्रुव ने मौका पाकर कैसेट बदल दी थी। मुझे मालूम होना चाहिए था कि तुम लोग ध्रुव से टक्कर नहीं ले पाओगे।
अब मुझे ही ध्रुव के लिए एक नई स्क्रिप्ट लिखनी पड़ेगी।
गुड, गुड! अब इसको ध्रुव को भी रास्ते से हटाना है-
और अपने दर्शकों को एक स्पेशल शो भी दिखाना है।
और ये दोनो काम करने का एक सीधा सा रास्ता है
...डबल रोल का।

और अगले दिन– राजनगर की एक घनी आबादी वाले मुहल्ले में बनी, एक पुरानी इमारत के सामने एक वैन आकर रुकी।
और इसमें से, रघु तेजी से नीचे उतरा।
पता नहीं क्यों, डायरेक्टर को यह बात समझ में ही नहीं आ रही थी, कि अब यहां रहने में मुझे खतरा हो सकता है।
ध्रुव मेरा पता लगाकर किसी भी वक्त यहां तक पहुंच सकता है।
बड़ी मुश्किलों के बाद डायरेक्टर ने अब मुझे यहां से कुछ जरूरी सामान ले जाने की इजाजत दी है।
कहीं जाने की तैयारी है क्या, रघु पाल जी?
अब इस अटैची मे जल्दी से कुछ कपड़े और एक-दो जरूरी सामान रख लूं।
रघु ने अपने कपड़े निकालने के लिए अलमारी को खोला
ध ध ध्र ध्रुव..!
तुम ऽटक यहां तक कैसे प-पहुंच गए?

और अब पुलिस रिकॉर्ड में यह भी दर्ज किया जाएगा कि ... इसी पते पर मिली थी
रघु के हाथ में एक पिस्तौल चमक उठी...
हर अपराध में इन लोगों ने एक ही ... का इस्तेमाल किया था।
बोलो! कहाँ पर है तेरा अड्डा?
मैं कभी नहीं बता...
आह!
जब तक नहीं बताएगा, तब तक ऐसी ही मार खाता रहेगा।

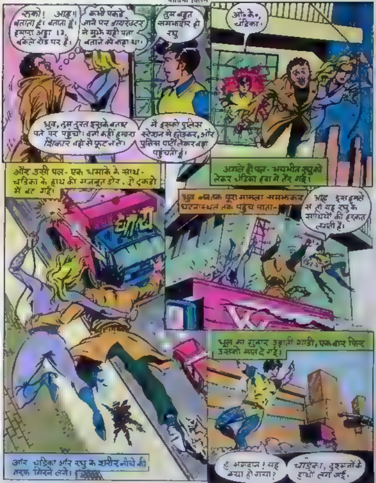
रुको! आह!! बताता हूं। बताता हूं। हमारा अड्डा 13, बकिले रोड पर है।
कभी पकड़े जाने पर डायरेक्टर ने मुझे यही पता बताने को कहा था।
तुम बहुत समझदार हो रघु
ध्रुव, तुम तुरत इसके बताए पते पर पहुंचो। वर्ना कहीं हमारा शिकार वहां से फूट न ले।
मैं इसको पुलिस स्टेशन में छोड़कर, और पुलिस पार्टी लेकर वहां पहुंचती हूं।
ओ.के., चंडिका।
और उसी पल- एक धमाके के साथ- चंडिका के हाथ की मजबूत डोर, दो टुकड़ों में बट गई।
अगले ही पल- भयभीत रघु को लेकर चंडिका हवा में तैर गई।
ध्रुव जब तक पूरा मामला समझकर घटनास्थल तक पहुंच पाता-
ओह इस हमले से तो यह रघु के साथियों की हरकत लगती है।
धूल का गुबार उड़ाती गाड़ी, एक बार फिर उसको मात दे गई।
और चंडिका और रघु के शरीर नीचे की तरफ गिरने लगे।
हे भगवान! यह क्या हो गया?
चंडिका, दुश्मनों के हाथों लग गई।

हां, साहब। मुझे पक्का पता है कि यही
यह खाली प्लॉट ? यानि रघु ने झूठ बोला था।
एक मिनट।
इस पत्थर के नीचे दबा कागज एकदम
जैसे कि अभी
ध्रुव का सोचना एकदम सही था।
कागज पर लिखी गई चिट्ठी उसी के नाम थी।
दुश्मन बहुत चालाक और सतर्क है। उसको पता था कि मैं और चंडिका, रघु के पीछे लगे हैं।
और उसने अपनी योजना पहले से ही बना कर रखी थी।
यह तो पक्का है, कि दुश्मन ने
घर पहुंच कर भी ध्रुव का दिमाग, चंडिका में ही उलझा हुआ था।
अभी अंधेरा होने में काफी समय है। तब तक ये गुंडे न जाने चंडिका का क्या हाल करेंगे?
कहां उसी पर शूटिंग न चल रही हो?

क्या सोच रहे हो, ध्रुव? तुम्हारे चेहरे पर तो परेशानी भी झलक रही है। क्या हुआ?
चंडिका का अपहरण हो गया है, नताशा! अभी एक घंटे पहले मेरी आंखों के सामने उसका अपहरण कर लिया गया
चंडिका का अपहरण!! पर -
समझी पर इस वक्त वह है कहा पर?
किन लोगों ने उसका अपहरण किया है?
यह मैं तुमको नहीं बता सकता, नताशा! किसी को नहीं बता सकता।
वर्ना चंडिका की जान खतरे में पड़ जाएगी।
यह लड़ाई मुझको अकेले ही लड़नी होगी।
नताशा सिर्फ खामोशी से ध्रुव की बात सुनती रही।
पर उसके चेहरे से साफ जाहिर था, कि वह भी कोई योजना बना रही है।
पर जब से निराश प्रेमियों ने, चोटी से कूद कर आत्महत्याएं करनी शुरू कर दीं, तब से इस का नाम 'सुसाइड प्वाइंट' पड़ गया।
सरकार ने इस इलाके को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया।
यह है कि रात के समय, चिड़िया तक इस चोटी पर बैठने से
पर कुछ लोग तो 'डर' का नाम तक नहीं जानते हैं
खासतौर से तब, जब उनके किसी दोस्त की जान दांव पर लगी हो।
सुसाइड प्वाइंट
आहा तो तुम आ गए।
वेलकम, मि. ध्रुव' अपनी नई वीडियो फिल्म के मुहूर्त पर 'डायरेक्टर तुम्हारा' स्वागत करता है
चंडिका कहां है, डायरेक्टर?

पर तुम्हारी एक गलत हरकत, उसकी जिंदगी को एक झटके में छोटा कर देगी
तुम आखिर चाहते क्या हो? कौन हो तुम?
आज से तीन साल पहले, फिल्मी दुनिया में एक नया डायरेक्टर आया था। सुरेन दत्त उसका नाम था। उसने कई सुपर सुपरहिट और कलात्मक फिल्में बनाईं।
पत्रिकाओं ने उसकी खूब तारीफ की। उसकी फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिले।
मुझे मालूम है। यह खबर तो हर अखबार में छपी थी
पर इस कहानी से तुम्हारा क्या संबंध है?
इस कहानी का सच सिर्फ मैं जानता हूं।
यह खबर झूठी थी।
सुरेन दत्त उस दिन मरा नहीं था।
वह अब तक जिंदा है
सुरेन दत्त! तुम
हां, मैं। अच्छी फिल्में फ्लॉप होने के बाद मैं समझ गया था कि इस देश के सारे फिल्मी दर्शक हिंसा के पुजारी हैं।
मैंने उसी वक्त तय कर लिया था, कि हिंसा की दीवानी इस दुनिया को उनके स्वाद की ही फिल्में दिखाऊंगा
और फिर मैंने असली हिंसा वाली फिल्में बनानी शुरू कर दीं।

पर तुम्हारी फिल्में देखता कौन है?
इस महानगर में ऐसे हजारों लोग हैं, जिनको फिल्मी हिंसा पसन्द नहीं आती क्योंकि यह सभी जानते हैं, कि वह सब नकली नाटक होता है।
मैं उन दर्शकों को ही अपनी फिल्में, केबिल टी॰वी॰ के जरिए दिखाता हूं।
ऐसी एक एक फिल्म से ही मुझे लाखों की कमाई हो जाती है।
पर आज की फिल्म मुझे एक ही झटके में दस गुना अमीर बना देगी।
ऐसी कौन सी फिल्म बनाने जा रहे हो तुम?
उस फिल्म का नाम है,
'सुपर कमांडो ध्रुव की मौत'।
और मैंने इसके 'स्पेशल सीधे प्रसारण' की खास व्यवस्था की है।
इस आवाज के साथ ही चारों तरफ कई तेज रोशनियां एक साथ चमक उठीं।
कैमरा, स्टार्ट हो गया।
अब शूटिंग शुरू होती है
रेडी।
सीन वन फाइनल टेक।
और कई मोटरसाइकिलें, तेज रफ्तार से, ध्रुव की तरफ लपकीं।

समय था, वो सिर्फ अपना बचाव करने का -
मोटरसाइकलों के पहियों से उड़ती धूल, ध्रुव की आंखों में आ पड़ी।
तड़ाक
और ध्रुव अपने कंधे की तरफ
नहीं देख पाया।

ध्रुव के संभल पाने से पहले ही लोहे की एक छड़ उसके सिर से आ टकराई।
आह
और मोटरसाइकलें उसको कुचल देने के लिए आगे लपकीं।
पर ऐसा हो नहीं पाया।
दो मोटरसाइकल सवार, एक वार में ही धराशायी हो गए।
ध्रुव जमीन पर आ गिरा।
और उसी पल, ध्रुव का शरीर हवा में उछला-
?
और उसके पैर, चलती मोटरसाइकलों पर आ टिके। ध्रुव ने अपने शरीर को एक हल्के से कोण से मोड़ा।
और मोटरसाइकलें, अपना रास्ता बदलकर, वापस मुड़ चलीं।

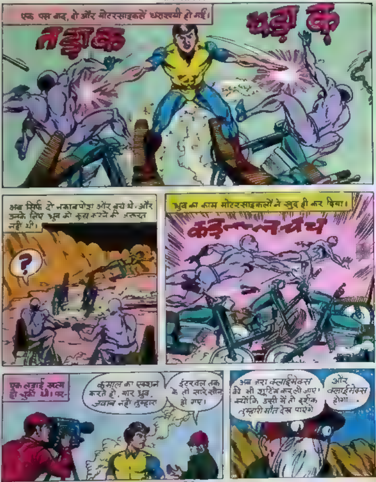
एक पल बाद, दो और मोटरसाइकलें धराशायी हो गईं।
तड़ाक
धड़ाक
अब सिर्फ दो नकाबपोश और बचे थे, और उनके लिए ध्रुव को कुछ करने की जरूरत नहीं थी।
?
ध्रुव का काम मोटरसाइकलों ने खुद ही कर दिया।
कड़ऽऽऽचच
एक लड़ाई खत्म हो चुकी थी। पर-
कमाल का एक्शन करते हो, यार ध्रुव. जवाब नहीं तुम्हारा
इंटरवल तक के तो सारे सीन हो गए।
अब जरा क्लाईमेक्स की भी शूटिंग कर ली जाए, क्योंकि उसी में तो दर्शक तुम्हारी मौत देख पाएंगे
और क्लाईमेक्स होगा .

फाइट मास्टर गुनोला से तुम्हारी रस्से पर लड़ाई।
फर्क सिर्फ इतना होगा, कि गुनोला की कमर से रस्सा बंधा होगा, और तुम्हारी गर्दन से रस्सा बंधा होगा
तो चंडिका की खोपड़ी में एक छेद हो जाएगा।
के सामने और कोई रास्ता नहीं था
शर्त सिर्फ यह है कि तुम गुनोला से जीतने की कोशिश कतई नहीं करोगे
यानी इस हालत में मेरी मौत निश्चित है।
पर अगर मैं इस इकतरफा लड़ाई से इंकार कर दूं।
और यह अंत था - की मौत।
हर आंख और गुनोला की लड़ाई पर जमी थी
किसी का भी ध्यान चंडिका और उसके पहरेदार की तरफ नहीं
जहां पर एक नया सीन चल रहा था।

पर एक मिनट बाद, जब एक गॉर्ड का ध्यान उधर गया, तो सब कुछ वैसे का वैसा ही था।
गुनोला को पेशेवर कुश्ती में कई सालों का अनुभव था।
ध्रुव के वारों को पहले ही भाप लेना, उसके लिए बाएं हाथ का खेल था।
ओह! इसमें तो चीते जैसी फुर्ती है और सांड जैसी ताकत।
और नीचे गिरते ही मुझको फांसी लग जाएगी
इस बार सबसे पहले गर्दन में बंधी रस्सी का इंतजाम करना पड़ेगा।
गुनोला का फरसा, ध्रुव की गर्दन काट देने को घूमा। और साथ ही साथ, ध्रुव हवा में उछला।
फरसे का तेज फल, मजबूत रस्से को सूत की तरह काटता चला गया।

गुस्से से झुंझलाकर, गुनोला ने फरसे को फिर घुमाया।
वह समझ ही नहीं पाया, कि कब ध्रुव ने उसके हाथों को रस्सी से बांधकर, फरसा अपने हाथ में ले लिया।
हाथ बंध जाने के बाद, गुनोला के लिए, रस्से पर अपना संतुलन बनाए रखना असंभव हो गया।
और रस्सी का एक लंबा टुकड़ा, ध्रुव के हाथ में आ गया।
और एक हल्के से धक्के से ही, उसका शरीर अधर में झूलने लगा।
यह क्या !? मैंने तुमको पहले ही बता दिया था, कि तुमको गुनोला से जीतना नहीं है।
अब मैं चंडिका को खत्म---!
यह झगड़ा मेरे-तुम्हारे बीच का है, डायरेक्टर! इसमें चंडिका का क्या कुसूर है?
चंडिका को छोड़ दो।
हा, हा, हा! 'चंडिका' को तो मैं छोड़ ही दूंगा। क्योंकि यह चंडिका नहीं है,--
-- बल्कि चंडिका के डबल रोल में मेरी एक्ट्रेस, रिप्पी है! हाहाहाहा!
क्या? यह-- यह असली चंडिका नहीं है!!
नहीं, कमांडो! तुम्हारी फाइल पढ़ने के बाद मुझे पता चल गया था, कि असली चंडिका को तुम खुद भी नहीं जानते हो!
पर उसके लिए तुम जान भी दे सकते हो।
बस! मैंने इसी पर स्क्रिप्ट लिख डाली।

मैं तुमको अभी सबूत दिए देता हूँ।
नहीं, तुम झूठ बोल रहे हो।
रिप्ली! चंडिका का मेकअप उतार दो।
पर तभी-
रिप्ली अकेले अब मेकअप नहीं उतार पाएगी।
यह-यह क्या-क्या?
मैं असली चंडिका हूँ।
डबल रोल का खेल खेलना, तुम्हारे अलावा और लोग भी जानते हैं।
काले! इसको गोली से उड़ा दो।
भून डालो इन सबको।
कई बंदूकें एक साथ, चंडिका और पीटर की तरफ उठीं।
लेकिन ट्रिगर दब पाने से पहले ही-

पूरा वातावरण, गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा।
तड़तड़तड़ तड़तड़तड़
नताशा के साथ आई पुलिस फोर्स ने पूरे गिरोह को घेर रखा था।
यह सब तेरा किया हुआ है। मैं तुझे जान से खत्म कर दूंगा।
गुस्से से कांप रहा डायरेक्टर, यह भूल गया था कि, ध्रुव अब तक रस्से पर ही खड़ा है ...
यह क्या हो गया?
मेरी जोरदार स्क्रिप्ट फ्लॉप कैसे हो गई?
...और वह रस्से पर नहीं चल सकता है।
एक झटके से डायरेक्टर का शरीर, सैंकड़ों फीट नीचे बहते पानी की ओर गिरने लगा।
डायरेक्टर सुरेन दत्त की मौत की झूठी खबर तीन साल बाद सच हो गई थी।
ध्रुव, कैमरे की तरफ घूमा।
हिंसा के दीवाने दर्शकों ने देख लिया होगा, कि हिंसा का आखिरकार क्या अंजाम होता है।
हिंसा, आज आपको कुछ देर की खुशी देती है। पर कल यही खुशी आप की जान की दुश्मन बन जाएगी।
कल पैसों के लालच में, डायरेक्टर जैसे और लोग भी पैदा होंगे। और बन का शिकार बनेंगे, आप और आपके घरवाले। इस हिंसा को खत्म कर दो...
...वर्ना यह तुम लोगों को खत्म कर देगी।

Printed at: Japan Art Press